(1)

Lecture N.- (8)

Name of the college - APSM College, Barauni, Begusarai (LNMU, Darbhanga)
Name - Dr. Bharti Kumari A.I.H&C
Lession/Plan For class - B.A.(H) Part-1, Paper-1
Name of the Topic - Ashok Ke Dharm Lekh.
Date - 13-04-2021

अशोक के धर्म लेख :-

अशोक के धर्म लेखों को आठ वर्गों में विभक्त किया जाता है। ये भारत के लगभग सभी भागों में मिलते हैं। उनसे उसके साम्राज्य विस्तार, शासन व्यवस्था तथा धार्मिक सिद्धान्तों के विषय में बहुत कुछ ज्ञात होता है। उनकी भाषा - उस समय की बोल - चाल की भाषा प्राकृत भाषा है। लिपी ब्राह्मी है, केवल दो लेख खरोष्ठी लिपि में हैं। लेखों का विवरण इस प्रकार हैं :-

(1) दो लघु शिलालेख (2) भाब्रू का लेख
(3) चौदह शिलालेख (4) कलिंग के दो पृथक लेख
(5) गुफा लेख (6) सात स्तम्भ लेख।
(7) लघु स्तम्भ लेख (8) दो तराई के लेख।

(1) दो लघु शिलालेख → पहले लेख से अशोक के व्यक्तिगत जीवन पर प्रकाश पड़ता है और दूसरे में धर्म का सारांश दिया हुआ है, इनमें से दूसरा लेख, सिद्धापुर, जतिंग, रामेश्वर, ब्रह्मगिरी में पाया गया है। ये तीनों ही स्थान मैसूर के चित्रदुर्ग जिले में स्थित है। पहला लेख पूर्वोक्त स्थानों में मिला है और उनके अतिरिक्त रूपनाथ (मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में) सहसराम (जिले बिहार के रोहतास जिले में) (बैराट जयपुर के पास) तथा मास्की, गवीमठ, पल्की गुण्डू, येरागुडी में

P.T.O

पाया गया है। मास्की रायपुर जिले में के लेख का विशेष महत्व है। केवल यही एक ऐसा लेख है जिसमें अशोक का नाम आता है। अन्य लेखों में केवल देवानामप्रिय पियदस्सिन अथवा सिर्फ पियदसिन शब्दों का प्रयोग किया गया है। मास्की के लेख में है देवानामप्रिय, देवानामपियस असोकस' शब्द आते है।

(2) भाब्रू का लेख → इस लेख से अशोक के बौद्ध धर्मावलंबी होने का स्पष्ट प्रमाण मिलता है। इसमें उसने बौद्ध धर्म तथा संघ के प्रति अपनी भक्ति प्रकट की है। इसमें बौद्ध ग्रन्थों के कुछ उद्धरण दिये गये है और भिक्षुओं तथा उपासकों दोनों से ही कहा गया है कि वे इनका पाठ तथा मनन करें।

(3) चौदह शिलालेख :— इनमें अशोक की नीति तथा शासन सम्बंधी सिद्धान्तों की विवेचना है। इनकी प्रतियाँ इन स्थानों में मिली है

(I) शाहबाजगढ़ी — (पेशावर जिले में)
(II) मंसेहरा (हजारा जिले में)
(III) कलसी (देहरादून में)
(IV) धौली (उड़िसा के पुरी जिले में)
(V) गिरिनार (काठियावाड़ में जूनागढ़ के निकट)
(VI) जौगढ़ (गंजाम नगर ~~के~~ लगभग 18 मील उत्तर-पश्चिम में)
(VII) येरागुडी (कर्नाल जिले में गुटी से 18 मील उत्तर-पश्चिम)
(VIII) सोपारा (बम्बई के थाना जिले में)

(4) कलिंग के दो पृथक लेख :— धौली और जौगढ़

~~शिलालेखों~~ शिलाओं पर लेख संख्या 11, 12 और 13 उत्कीर्ण नहीं है। उनके स्थान पर दो

P.T.O.

पुस्तक लेख है। जिनमें उन सिद्धान्तों की व्याख्या की गई है। जिसके आधार पर नवविजित प्रान्त का प्रशासन चलाना चाहिए। उनमें यह भी बताया गया है कि सीमान्त जन - जातियों के साथ किस प्रकार का व्यवहार किया जाय।

(5) गुफा लेख :— गया से लगभग 19 मील की दूरी पर बराबर की पहाड़ियों में चार गुफाएँ हैं। उनमें से तीन की दीवारों पर अशोक के लेख हैं जिनसे कहा गया है कि सीमान्त जन - जातियों के साथ किस प्रकार का व्यवहार किया जाय। अशोक के लेख हैं जिनसे कहा गया है कि ये गुफाएँ आजीविक सम्प्रदाय के भिक्षुओं ~~सम्प्रदि~~ को समर्पित की गयी थी।

(6) स्तंभ स्तम्भ लेख :— ये लेख उत्तर - भारत के छः स्थानों में स्तंभों पर उत्कीर्ण पाये गये हैं।

(i) इनमें दिल्ली - टोपरा स्तंभ बहुत प्रसिद्ध है। यह स्तंभ पहले खिजराबाद जिले के टोपरा नामक गाँव में स्थित था। यह गाँव दिल्ली से लगभग 180 मील दूर है। दिल्ली का सुल्तान फिरोज तुगलक इसे दिल्ली लाया था। इस स्तंभ पर सातों लेख खुदे हुए हैं। अन्य स्तंभों पर केवल 6 लेख मिलते हैं।

(ii) मेरठ - दिल्ली स्तंभ पहले मेरठ में था। इसको भी फिरोज तुगलक ही दिल्ली ले गया था।

(iii) तीसरा इलाहाबाद में है। मूलतः यह कौशाम्बी में था। बाद में सम्राट अकबर इसे इलाहाबाद ले गया था। इस स्तंभ पर अशोक के लघु लेख भी खुदे हैं। एक कौशाम्बी लेख और दूसरा रानी लेख कहलाता है।

PTO.

आगे चलकर गुप्त सम्राट समुद्रगुप्त ने भी इसी स्तंभ पर अपना लेख खुदवा दिया था।

(iv) लौरिया अरराज स्तंभ, और
(v) लौरिया नन्दनगढ़, स्तंभ और
(vi) रामपुरवा स्तंभ।
(अंतिम तीनों स्थान बिहार के चम्पारण जिले में हैं)

(7) **लघु स्तंभ लेख** :— ये लेख इलाहाबाद, साँची और सारनाथ के स्तंभों पर पाये गये हैं।

(8) **दो तराई के लेख** :— ये लेख रुम्मनदेई तथा निग्लीवा में पाये गये हैं। दोनों ही स्थान नेपाल की तराई में स्थित हैं, इसलिए इन्हें तराई लेख कहा गया है। इन लेखों में प्रमाणित रूप से पता चलता है कि अशोक ने बुद्ध के जीवन से सम्बंधित पवित्र स्थानों की यात्रा की थी। इन शिलालेखों से यह पता लगाया जा सकता है कि बुद्ध का जन्म किस स्थान पर हुआ था। ये शिलालेख लगभग 249 ई. पूर्व में उत्कीर्ण किये गये थे।

भारती कुमारी
A.I.H.&C
13-04-2021